**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## कृषि व्यवसाय का भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है– डा. सुरेश परिहार

पंतनगर 18 जुलाई 2022। विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय में नवागंतुक विद्यार्थियों हेतु छः–दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, डा. सुरेश परिहार एवं मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति, डा. ए.के. शुक्ला उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, डा. सुरेश परिहार ने कृषि व्यवसाय में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका से उपस्थित विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को भारत के गरीब किसानों के विकास के लिए अपने कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधकीय कौशल का उपयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम में कुलपति, डा. ए.के. शुक्ला ने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं किसान उपज के विपणन की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने उदाहरणों की एक श्रृंखला दी और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लक्षित लक्ष्य को प्राप्त करने में नीति निर्माताओं के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों की व्याख्या की जो किसानों की आय का दोगुना है।

प्रभारी अधिकारी, प्रवेश डा. सौरभ सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुक विद्यार्थियों का परिचय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय की भिन्न–भिन्न इकाईयों तथा उच्च मूल्यों से कराना, विद्यार्थियों का सही प्रकार से प्रबंधन कौशल एवं शिक्षा की ओर उन्मुख करना एवं मानवता तथा मानव मूल्यों से परिचय कराना है। उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकि परिषद के प्रस्तावित मापदण्डों को भी पूरा करता है।

डा. आर.एस. जादौन ने अपने उद्बोधन में कुलपति, विशिष्ट अतिथि तथा नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के 25 वर्षीय गरिमामयी शैक्षणिक एवं सेवायोजन के इतिहास से परिचित कराया। उन्होंने अपने भाषण में विद्यार्थियों से आग्रह किया कि कुशल प्रबंधन/प्रशासक बनने से पूर्व उन्हें मानव, मानवता एवं मानवीय मूल्यों का सम्मान तथा उत्कृष्ट व्यवहार सीखना है। उन्होंने यह भी बताया कि कृषि व्यवसाय मात्र व्यवसाय ही नहीं वरन मानव जीवन सुरक्षा हेतु भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सीएबीएम में अपनाए जाने वाले पाठयक्रम शिक्षण व्याख्यान और केस स्टडी के उद्योग उन्मुखीकरण में वृद्धि और छात्र के व्यक्तित्व के समग्र विकास में विभिन्न छात्र पाठ्येतर गतिविधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सीएबीएम में साल दर साल 100 प्रतिशत सफल प्लेसमेंट का टैक रिकार्ड वर्ग के साथ साझा किया।

डा. मुकेश पाण्डे ने बताया कि कैसे छात्र अपने दो साल के एमबीए प्रोग्रम के दौरान अधिकतम मूल्यवर्धन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे छात्र वास्तविक जीवन परियोजनाओं और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने बायोडाटा में मूल्य जोड़ सकते हैं।

इस छः–दिवसीय इन्डक्शन कार्यक्रम की संयोजिका, डा. रीतिका भट्ट ने कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह का समापन अपने धन्यवाद अभिभाषण के साथ किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्य, डा. निर्देश कुमार सिंह, डा. जयन्त गौतम तथा डा. स्नेहा दोहरे उपस्थिति थे। अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. अल्का गोयल; अधिष्ठाता, सीबीएसएच, डा. संदीप अरोरा; अधिष्ठाता, पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा, डा. एन.एस. जादौन; अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डा. के.पी. रावरेकर एवं अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. बृजेश सिंह भी उपस्थिति थे।

COLLEGE OF AGRIBUSINESS MANAGEMENT
Agriculture & Technology, Pantnagar
PROGRAMME (SIP)
GLOBUS


COLLEGE OF AGRIBUSINESS
MANAGEMENT